



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART 1—Section 1

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 210]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1991/आश्विन 3, 1913

No. 210] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1991/ASVINA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 217 — आईटीसी (पीएन) / 90-93

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1991

विषय :— जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा
रोलिंग स्टाक वर्कशाप के आधुनिकीकरण के लिए
1.256 बिलियन के ऋण सं. आईटीपी 68,
दिनांक 27-3-90 के अन्तर्गत उपकरणों तथा सेवाओं
के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईटीसी/23(74)/90-93 :— रोलिंग
स्टाक वर्कशाप परियोजना के आधुनिकीकरण के लिए जापान
की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा 1.256 बिलियन यैन
के ऋण मं. आई डी पी 68, दिनांक 27-3-90 के अन्तर्गत
उपकरणों तथा सेवाओं के आयात को शामिल करने वाली

शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिणाम में दी गई हैं,
सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

डा. प्रार. मेहता, भुज्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित
वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं 117 आईटीसी
(पीएन) / 90-93, दिनांक 25991 का परिणाम

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ)
द्वारा रोलिंग स्टाक वर्कशाप परियोजना (1) के आधुनिकीकरण
के लिए 1.256 बिलियन यैन के ऋण सं. आई डी पी 68 दिनांक
27-3-1990 के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात
के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 : सामान्य शर्तें

1(1) रोलिंग स्टाक वर्कशाप परियोजना (1) के
आधुनिकीकरण की आयात आवश्यकता तथा कार्यविधान के
वित्तदान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि

(ओई सी एफ) द्वारा प्रदान किये गए 1.256 विलियन येन वा अण जापान और विकासभीत देशों जिनमें भारत और (ओई सी एफ) के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए आहत है। नदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिकार्त की जाने वाली बस्तुएं और मेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उभूत सभी देशों में आयात की जा सकती है। ये देश इस अहण के अन्तर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिर्णयालय, नक्नीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप में निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 1.381 विलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) में अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की नियम को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीपी (पीएन) / 74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में केतिक दर सांपर निर्धारित किया जायेगा, जिसमें यह उल्लेख आयात लाइसेंस में द्वारा कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (मों) में विनियोग सुदूर विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे ढालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जापानी येन” अण सं. आई ई पी-68 होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “एम/जेसी” होगा। यह कोड रेलवे मंत्रालय को लाइसेंस भेजने समय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के पक्व में भी दुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति रेल मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठाकित की जानी चाहिए।

1(3) रेल मंत्रालय के पक्व में आयात लाइसेंस केवल लागत बीमा भाड़ा के प्राधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.381 विलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयातक द्वारा आवेदन करने पर आयात लाइसेंस की वैधता को 12 महीने की और अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। आयात लाइसेंस की अवधि को आगे और बढ़ाने/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी प्रेयण की अनुमति आयात लाइसेंस मदे नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता को कमीशन के रूप में कोई भी भुगतान भारत में भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभरत किए जाएंगे।

1(8) पक्वे आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरक को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रूपये में भारत में होगा “पक्वे आदेशों” का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो, या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो, विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिए गए आदेश या उसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर टेकों को इस गति का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि टेके के पूर्ण दमाकेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुँच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्वे आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदन पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रत्यावर्त निरपवाद रूप में लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक नई दिली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला पद प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण टेकों को पूर्ण करने के संबंध में साखपत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पक्व और तुल्य रूपया जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। उके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किसी की अण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण का अवधि के लिए उके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:-

“माखपत्र की प्राप्ति के बाद” —————— महीने परन्तु अधिक से अधिक —————— के अंत तक पूर्ण किया जाना है।”

पोतलदान के लिए आविर्गी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-94 के बाद की न हो।

खण्ड 2 :- संभरण उके का समझाना करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विषेष बातें।

2(1) उके का जहाज पर्यन्त नागर बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय रूपये में चुकाए जाने वाले भारतीय अधिकर्ता के कमीशन को यदि कोई हो, शामिल नहीं करना चाहिए।

संविदा का मूल्य किसी भी हालत में भारतीय अपना किसी अन्य करेसी में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। अब आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेदन के बीच अपेजी में होना चाहिए।

2(2) अण की रकम से विल पोपित किए जाने वाले सभी माल और संवादी की अधिप्राप्ति मार्ग दर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निम्नलिखित अनुपूरक शर्तों पर की जाएगी:-

(छ) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में :-

(1) यदि पूर्व अहर्ता सहित औपचारिक खुली अस्तरज्जीव निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए श्रो. ई. सी. एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसमें पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र और ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज अर्थात् कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में श्रो. ई. सी.

एक के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि श्रो. ई सी एक अनुरोध करे तो उसे निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) जब सलाहकार फर्मों को नियुक्त किया जाता है तो ऐसी फर्मों को निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करना चाहिए:-

(1) अधिकांश निर्धारित हिस्सों के धारक पात्र लोत देशों के राष्ट्रिकों होने चाहिए।

(2) अधिकांश पूर्ण कानूनिक निवेशक पात्र लोत देशों के राष्ट्रिक होने चाहिए।

(3) ऐसी फर्में निगमित और पात्र लोत देशों में पर्याप्त होनी चाहिए।

(घ) सलाहकारों की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के बारे में श्रो. ई सी एफ का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त करना चाहिए।—

1. (1) संवर्भ की जर्ते

(2) सलाहकारों की संक्षिप्त मूल्य

(3) आमन्त्रण पत्र

(4) संक्षिप्त मूल्यांकन शीट महित मूल्यांकन रिपोर्ट

(ङ) सलाहकार की पात्रता के बारे में सलाहकार के हस्ताक्षर एवं तारीख महित निम्नलिखित गोषणा प्रत्येक करार के साथ भेलग्न की जानी चाहिए:-

मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि (फर्म का नाम) निगमित है तथा (मंबंधित पात्र लोत देश का नाम) में पंजीकृत है और एक पात्र सलाहकार फर्म है, प्रतिशत (%) (निर्धारित शेयरों के धारक संबंधित पात्र लोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है और प्रतिशत (%) (संबंधित पात्र लोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है।

(च) आयातक श्रो. ई सी एफ के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए उपर्युक्त (क) (1) (क) (2), (ब) तथा (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज अर्थात् कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टाकियों द्वारा 1989-90 के लिए श्रो. ई. सी. एफ. येन एंड बिट (परियोजना सहायता) में आई डी. पी. 64 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका बौद्धि शीर्ष खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाईसेंस के मद्दे केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाईसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाब वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पावता

संभरक पाव स्रोत देशों के राष्ट्रिक या पाव स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पाव स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा पासित वैध व्यक्ति होंगे तथा उसके पास पाव स्रोत देशों में माल तथा सेवाएं प्रस्तुत या उपलब्ध कराने की उपयुक्त सुविधा होगी तथा उन्होंने वास्तव में व्यवसाय किया होगा।

2(6) अपाव स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपाव स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है वशर्ते कि निम्नलिखित सूच के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित/भाग के 50% से रकम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क × 100
संभरक का जहाज पर्यन्त नि:शुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के सम्बन्ध में एवम फैक्ट्री मूल्य अपनाया जाएगा)

2(7) संविदा में धोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पावता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित धोषणा जोड़ी जाएगी :—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पाव स्रोत का नाम) में उत्पादित है।”

मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपाव स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूच के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क × 100
संभरक का जहाज पर्यन्त नि:शुल्क मूल्य

(जहां फैक्ट्री पर मूल्य लागू हो)

मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) और (पाव स्रोत देश का नाम) में समाविष्ट हो चुकी है और संबंधित पाव स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड -3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरक ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष स्पष्ट में समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच रोलिंग स्टाक वर्कशेप परियोजना (1) के आधुनिकीकरण के लिए येन क्रेडिट सं.

आई. डी. पी-68 (परियोजना सहायता) के अंतर्गत 15 दिसम्बर 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।

(ख) संभरकों को भुगतान भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. सी. एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी-68 से संबंधित 27-3-90 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत वैक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साथ पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक एसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2 (7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (3 प्रतियों में)

(इ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के परामर्श पर पांत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्दीगी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान के कम से कम 6 सप्ताह पूर्वे भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिसमें कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक व्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ. ई. सी. एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाईसेंसधारी को पक्के आवेद देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की बार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पृष्ठि आदेश के साथ हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाईसेंस की हो फोटो प्रतियों सहित और अनुवंश-2 के पपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप में आणोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस और इसी एफ को समीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति साथ सी.ए.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5: विदेशी संभरकों को भुगतान-साख एवं पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय या नोटिस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध 3 में विए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो ब्रांच सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4² (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां और इसी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुमार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओर इसी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और महायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संशिदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे भी सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन स्वतः लागू होंगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकरों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने उसके अधीन लेने-देने करने और विदेशी संभरक के बैंकर के प्रभार, यदि कोई हो, तो

वे आयातक/विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओर इसी एफ इ के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओर इसी एफ द्वारा स्वयं अर्ह/निधियों में से चुकाई जाएगी।

ओर इसी एफ या महायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय के भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। ओर इसी एफ को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों निधियां शामिल करके) का ब्याज भी आयातक को प्रचलित दर पर चुकाना होगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के तीत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाएगा। आयात को द्वारा आयातों के लागत तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेपण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) पुनः अदायगी क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए अर्ह की रकम की पुनः अदायगी के लिए क्रिया विधि अर्ह समझौते से सम्बद्ध पुनः अदायगी क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6: रुपया निक्षेप करने के लिए उन्नरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिस्थित में संकेतिक अनुमार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराकार्य पोत परिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंकर यह सुनिश्चित करेगा कि रुपया अनिवार्य रूप से पोत दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी दिल्ली में जमा कर दिया गया है।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो में आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्ति को, रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो मार्वर्जिनल सूचना सं. 113-आर्डी टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक,

आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकरों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक का तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों माल की मुपुर्दंगी देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा गीर्यां में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह “के डिपाजिट्स एण्ड ऐडवाइन्सेज-8443-सिविल डिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार परचेजिज एक्सट्रा अब्राइड परचेज अण्डर एडिट्स/लोन एग्रीमेंट्स”, लोन फोर्म वि गवर्नमेंट आफ जापान 1.256 विलियन येन क्रेडिट/मेन सं. श्राई छी पी-68 फार दी रोलिंग स्टाक वर्कशान मार्डनाइजेशन प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) चालान के बाएं कोने में कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए उपसुक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली में सरकार के ऑफिट में नकद जमा होना चाहिए जैसा कि इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित भेजेगा जो वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालांगों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-श्राईटीमी (पीएन) /71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौरे,” में निरपेक्ष रूप से निर्दिष्ट

की गई है। यजाना चालान में निम्नलिखित व्यौरे निरपेक्ष रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

तत्परता सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए भुगतान प्राधिकार पत्र को संदर्भ देते हुए और बौजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को प्रतियों को संबरन करने हुए यजाना चालान रूपया जमा करने को सक्ष्य देते हुए पंजीकृत ढाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो में अदायगी की सूचना और विनियम पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपेक्ष रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके नत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत से सम्बद्ध बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-8: विविध प्रावधान

8(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक के पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलदान होना बाकी है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए. ए. एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय बी विंग 5 बांल जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) विशेष गति के बारे में संभरकों को अधिसूचित करना।

आयातक को चाहिए कि वह हस अनुदान सहायता के अंतर्गत माल से संबंधित किसी ऐसी के विशेष गति में संभरक अवगत कराएं जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव छालती हों।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। वैक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भूगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ “भूगतानों के नियमों” अनुबन्ध-2 में आयातक द्वारा वर्णिया जानी चाहिए। विवादों में निपटने की शर्त ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

8(4) भावी अनुदेश

आयातक लाइमेंस या उसके मम्बन्ध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों, निदेशों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक भव्योग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता परियोजना-सहायता) से, आई डी पी:-68 के अंतर्गत भी दायित्वों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) अतिक्रमण और उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध:-1 पात्र स्वोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध:-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध:-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध:-4 साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध:-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

उपायन्ध 1

पात्र स्वोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और थेव

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तुनीसिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला
वेनिन
बौतस्वाना
बर्बुडी

केमरोन

कैप बड़े द्वीप

मध्य अफ्रीका गणतंत्र

चाड़

कोनारो आइसलैण्ड

कांगो, दाहामे का गणतंत्र

इक्वेटोरियल गिनी (1)

इथोपिया

जाम्बिया

घाना

गिनी

आइबरी लोस्ट

केन्या

लेलोथो

लाइब्रीरिया

मालागासी गणतंत्र

मालाद्वी

माली

मारिटिनिया, मारिशस

मोजाम्बिक

सेंट हेलना और ऐप (2)

साओं टोमों और प्रिंसिपल

सेनेगल

सेचिलीज

सीयरे लिओन

सोमालिया

सूडान

स्वाजीलैंड

टेरी, अफर्स और इसस

टोगो

यूगान्डा

तंजानिया गणतंत्र संघ

अपर बोल्टा

लाइरे गणतंत्र

जाम्बिया

3. अमरीका उत्तरी और केन्द्रीय

बहामा

बरमूडा

बारबडोस

बेली

कोस रीको

क्यूबा

डामिकिन गणतंत्र

(1) फर्नाडो पी-प्रो द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रवेश।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—एस्केनियन ट्रिस्टेन या इनएक्सेसिवल्स, नाइट्रिनोल, गफ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरुबा, बोनाइरे, क्यूराकाओ, सहा सेच्च।

एल मवाडोर	यूनाइटेड अरब अमिरात (3)
गृहाल्प	यमन अरब अमिरात गणतंत्र
ग्वामाला	यमन जनवादी गणतंत्र (4)
हैटी	
होड़रम	6. दक्षिण एशिया
जमैक	अफगानिस्तान
मारंटोनिको	बंगला देश
नाईगर	भूटान
पुर्वगाली गिमी	बर्मा
रियूनियन	भारत-
रोडेशिया	मालद्वीप
रवान्डा	नेपाल
मैक्रिनी	पाकिस्तान
नीदरलैण्ड एन्टीलीज	थ्रीलंका
निकारागुआ	
पनामा	7. मुहर पी पूर्वी एशिया
सेंट पियरी और मिश्यूलोन	बहरी
द्रिनिंगाड़ और टोवागो	हांगकोंग
	ख्मेर गणतंत्र
3. अमेरिका उत्तरी और मध्य	कोरिया गणतंत्र
वेस्टइन्डीज (शाखा) एन. अर्थात्	लाओस
(क) सह-मन्दन्ध राज्य (1)	माकाओ
(ख) आश्रित (2)	मलेशिया
4. दक्षिणी अमेरिका	फिलीपाइन
अर्जेन्टीना	सिंगापुर
बोलिविया	ताइवान
ब्राजील	थाइलैण्ड
चिली	तिमोर
कोलम्बिया	वियतनाम गणतंत्र
फालक लैण्ड द्वीप समूह	वियतनाम जनवादी गणतंत्र
फ्रांस गिनी	
गुयाना	8. ओसिनिया
पराम्बे	कुक द्वीप समूह
पीरु	फिजी
सूरिनाम	गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
5. मध्य पूर्वी एशिया	गिल्बर्ट और इलाइल द्वीप
बहरीन	फारिस पोलिनेशिया (5)
इजराइल	नार
ओडिन	न्यू केलेंडोनिया
लेबनान	न्यू हैविगसिस (अ. और प्र.)
ओमान	नियु
सिरियाई अरब गणतंत्र	
	(3) अजमन, दुबई, फुजीराह, रास अलचेमाह, शरजाह और अमश्ल बवाईवान
(1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेड, मेन्ट किट्स (सेंट क्रिस्टोको) नोवित-अंगुइला, सेंट जूसिया और सेंट बिसेंट	(4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमीरात सहित ।
(2) मेन आई लैण्ड, मोनेसर्व, सेमान नूके और काइकोस और ग्रिटिंग द्वीप समूह ।	(5) सोमाइटी आई लैण्डस समूह (ताहिती महित) को शामिल करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह टुआमोटू-गाम्बियर घूप और मारक्यूसेस द्वीप समूह

पैसीफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)	ग्रीस
पापुवा न्यू गिनी	आइसलैण्ड
सोलोमन द्वीप समूह (आ.)	आयरलैण्ड
टोगां	इटली
वालिम और कूना	जापान
पश्चिमी सामोआ	लग्जमबर्ग
9. यूरोप	नीदरलैण्ड
साइप्रस	न्यूडीलैण्ड
जिआल्टर	नार्वे
ग्रीम	पुर्टगाल
माल्टा	स्पेन
स्पेन	स्वीडन
तुर्की	स्विटजरलैण्ड
यूरोप्लायिया	टर्की
(6) पैसीफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर) ।	इंगलैण्ड
	संयुक्त राज्य अमेरिका

उपावन्ध-2

(क-2) ओ. पी. ई. सी. वि: सहयोगी देश

अल्जीरिया	प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र
बोलिविया	संख्या
लीबियाई अरब गणतन्त्र	दिनांक
गेबोन	सेवा में,
नाइजीरिया	महायक नेष्टा तथा नेष्टा परीक्षानियंत्रक,
इक्वेडोर	वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग,
वेन्जुएला	यू. को. बैंक बिनिडग, प्रथम मंजिल
इरान	पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
इराक	
कृवैत	
कतार	विषय : येन क्रेडिट स. आई डी पी (198
साउदी अरब	के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत
आवृ-धारी	— को —
दक्षिणेशिया	का आयात
ख. ओई सी डी देश	
आस्ट्रेलिया	महोवय,
ब्रेलियम	
कनाडा	
डेनमार्क	ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट स. आई डी पी —
फीनलैण्ड	(परियोजना सहायता) के अधीन
फ्रांस	— मे — आयात
फ्रेन्ल रिपब्लिक आफ जर्मनी	के संबंध मे — (बैंक का नाम)

— कि वही होना चाहिए, जो नीचे (६) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के

मात्र पत्र खोलने के लिए दिया गया है के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित और प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिन तक वैध है।
- (ग) अधिप्रसिद्धि के तरीके —
क्या वह सीधे क्रय पर आधारित है या ओपचारिक युली अन्तर्राष्ट्रीय विविदा पर आधारित है या मामले में कारणों सहित यह निश्चिप्त करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रभाव के आधार पर किया गया है।
- (घ) मात्र का संक्षिप्त विवरण
- (इ) मात्र का उदास देश।
- (ज) यदि कोई हो, तो पात्र से इनर स्लोट देशों में आयात संघटकों का प्रतिशत।
- (ए) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन) में
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेन्ट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के माथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भूगतान भर्ते और संभावित निधियां जिनको संविदा के अंतर्गत भूगतान देय होंगे।
- (ड) सुपुर्देशी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ट) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भूगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक मेट की संख्या और उनका निपटान दिवाते हुए)
- (ण) पोतलदान अनुदेश, वाहनालरण/पार्ट-शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है यदि हाँ जो ऐसे प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिस

के प्रत्यंगत श्रो. ई. सी. एफ. को अधिसूचित किया गया है।

- (द) क्या मात्रपत्र के मंत्रालय और रखरखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक एवं आयातक द्वारा या संघटकों द्वारा वहन किए जाने हैं।
- (ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता :

“हम एन्टद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके में और दर से विदेशी संभरकों को किए गए भूगतान के समनुच्छेयों को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक नितेष मान (आपातित समर्पण) को सुपुर्देशी लेने से पूर्व तकाल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित वीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी अदायगी करने हा विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भूगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भूगतान कर दिया जाएगा।

उपायावल्य—3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई फिल्सी, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शावा,
टोकियो (जापान)

त्रिपथ : — येन फ्रेडिट (परियोजना महायना) का करार मं० आई. डॉ. पॉ. के अंतर्गत आयात। साथपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय मत्तोदय,

आपके बैंक के माथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुमार आपको एनद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुमार सर्वश्री के नाम में गेन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साथपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक गाथपत्र की प्रति आयातक के बैंक, श्रो. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्राप्तमें संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप श्रो.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर, किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनिमय), अनिश्चित पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी को नाम डानने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई, तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से श्रो.ई.सी.एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लिए पर प्रभाव इले बिना सामान्य बैंकिंग श्रोतों के माध्यम से भारत संबंधित आयातक के बैंक के साथ आगे द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्चों जिसमें साखपत्र खोलने रखरखाव करते और साखपत्रों के गंतानन करने और सौदा संवैधी दस्तावेजों के मंत्रालय में संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकरों के खर्चों भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा श्रो.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए, तो इसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले मंशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार में संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेपित :—

1. आयातक को उसके पत्र में दिनांक के के संदर्भ में।

उनमें अनुरोध है कि वे बैंकरों में विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी भेजे से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके में अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निष्केप आदि जमा करने

का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण भाल की डिलीवरी सीधे ही सीमांतर क्षेत्र पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने में पूर्व ही निष्केप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध वीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हों जाएं, निष्केप कर दिए जाएं। निष्केप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक। यह आयात लाइसेंस सं. दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के ग्रन्तीयत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस गतों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस गतों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आवेशों को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाना है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113—आईटीसी (पीएन)/88-91 दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों की भुगतान करने की तिथि की यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी।

यह सुनिश्चित कर नेना चाहिए कि आयातक को सीमांतर क्षेत्र के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने के पूर्व धनराशि जमा की जानी है।

2(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिलीया या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शने हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या 184—आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68 233—आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968 132—आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74—आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 सं. 103—आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्राधिकारों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा करना है वह “के डिपाजिट एट्सेट्रा अंड अन्डर परवेज अंड क्रेडिट/लोन एंट्रीमेंट्स” लोन क्राम द गवर्नमेंट आफ जापान 1.256 विनियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आईटीसी 68 दिनांक 27-3-90 है।

2(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रातिलिपि उन्हें उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्रेषण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),
बीं विंग, 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली ।

2(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दरणी कृष्णी द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय व्याज प्रभाव बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

2(7) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए मूल दस्तावेज (चाहे वह वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी निष्पादन, गारंटी पोतलवान दस्तावेजों आदि के लेनदेन के दस्तावेज आयातक को तब तक न दिए जाएं जब तक कि ऊपर (2) और (3) पर दिए अनुसार कार्रवाई न कर ली जाए।

2(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डॉलर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों के भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिवर्तों में विनिर्दिष्ट किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिपत्र संख्या 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

2(9) इस पत्र की पावती भेजें और भविष्य में पत्राचार में इसका हवाला आदि दें।

3. निदेशक अर्ण विभाग-2 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि टाकेवासी गोडो बिल्डिंग, 4-1 ओहटेमासी-1, कोमे, चियोडा-कू, टोकियो 100, जापान

4. भारतीय दूतावास, टोकियो ।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली ।

(लेखा अधिकारी)

उपावन्ध-4

प्रपत्र ओ. ई. सो. एफ. एल. सी.-1
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागू)
दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (अर्णी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए अर्ण करार सं. —————— दिनांक —————— के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आपके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. —————— खोल दिया है जो —————— (अर्थात् येन) की कुल धनगणि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन नियन्ध लवान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट हो, बैंक पृष्ठांकित एवं चिन्हित “फेट एवं नोटिफाई” अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज ।

जिन में पोतलवान, (माल के लदान का सक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए सविवासं. —————— (यदि कोई हो) के संदर्भ में “————— में —————— तक आंशिक पोतलवान स्वीकृत है। आहनांतरण होना स्वीकृत है। ड्राफ्ट बिल —————— तक बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट —————— तक लेन-देन के लिए अवधि प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस अर्ण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. —————— दिनांक —————— के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं. —————— (संख्याएं, यदि कोई हो) अंकित होता चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दग्दी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैविट्स फार डाकूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 डिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कार्मस, पम्लिकेशन सं. 290” के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश :

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए बचनबद्धता पत्र को व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम बचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा —————— को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत मध्यी बैंक के बीच ग्रायातक/संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,
()
वाणिज्यिक बैंक
द्वागः—
प्राधिकृत हस्ताक्षर
.....

उपावन्ध—5

प्रपत्र ओ ई सी एफ-एल सी—2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(मेवातों के लिए लाग्)

दिनांक

सवा में,

यह साखपत्र (ऋणी और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुआ)

ऋण करार सं. ——————
दिनांक

के अनुमरण में जारी किया गया है। (संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साझट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि —————— येन में अधिक नहीं है, के लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. —————— खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में ठेका स. —————— में संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन देन के लिए ड्राफ्ट —————— से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. —————— के अंतर्गत ड्राफ्ट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एनवड्गा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों को सुपुर्दग्गी पर विधिवत स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट युतनफार्म कस्टम एण्ड प्रैविट्स फार डाकू-मेंटरी क्रेडिट्स (1974 डिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कार्मस श्रोशर नं. 290 के अधीन है।

लेन देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए बचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परंपरित करने का बचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरल ताद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस सांख्यपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्चों आयातकों/संभरकों के खान में देय हैं।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे सांख्यपत्र का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ————— येन
जो कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज़ : हिताधिकारी का विवरण
प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग: धनराशि ————— येन
जो कुल संविदा का मूल्य ————— प्रतिशत है जिनका भुगतान निम्नप्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येन —————
दूसरी किस्त येन —————

अपेक्षित दस्तावेज़ : (ऋण अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण करार सं. —————
के अंतर्गत ————— परियोजना से संबंधित

के नाम के ————— येन के लिए ————— द्वारा जारी किए गए सांख्यपत्र की सं. ————— दिनांक ————— (ऋणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए से अधोहस्ताक्षरी, और ————— के बीच संविदा सं. —————

दिनांक ————— में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा ————— येन की धनराशि ————— (येन पात्र) प्राप्त करने के लिए ————— को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे सांख्यपत्र सं. ————— का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ————— येन
कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज़ :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि ————— येन
कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि ————— येन
कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संवग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 217-ITC(PN)|90-93

New Delhi, the 25th September, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.68 dated 27-3-1990 for Yen 1.256 Billion for the Rolling Stock Workshop modernisation Project (I) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan-- regarding.

File No. IPC|23(74)|90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.68 dated 27-3-1990 for Yen 1.256 Billion for the Rolling Stock Workshop Modernisation Project (I) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller
of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 217 ITC(PN)|90-93, DATED 25-9-1991

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.68 DATED 27-3-1990 FOR YEN 1.256 BILLION FOR THE ROLLING STOCK WORKSHOP MODERNISATION PROJECT (I) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

SECTION I—General Conditions.

I. (i) The Yen Credit of Yen 1.256 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements and implementation of Rolling Stock Workshop Modernisation Project (I) of Ministry of Railway is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 1.381 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs), and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in

foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the super-scription "Japanese Yen Credit No. ID-P.68". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to Ministry of Railways a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Ministry of Railways on CIF basis.

I. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 1.381 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I. (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I. (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension

is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I. (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

SECTION II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II. (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation

report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the tenders documents etc. will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all the following conditions :—

(i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries ;

(ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries ;

(iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.

(d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—

(i) Terms of Reference.

(ii) Short List of Consultants.

(iii) Letter of Invitation.

(iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.

(e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (name of firm) has been incorporated and registered in _____ (name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm, _____ per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of _____ (name of the Eligible Source Countries concerned) and _____ per cent (%) of the full time directors being nationals of _____ (name of the Eligible Source Countries concerned)".

(f) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Dentt. of E.A. in duplicate, for submission to OECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in

their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 68 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries & actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), which has its appropriate facilities for producing or providing the goods or services in (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

SECTION III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic

Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P68 (Project Aid) for the Rolling Stock Workshop Modernization Project (I).

- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No ID-P68 dated 27-3-1990 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

SECTION IV—Review of Contract by OECF
IV(i) within stipulated period for placement of first orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

SECTION V—Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of

Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into for Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment changes on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedures for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers

shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

SECTION VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at **RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi** before releasing the shipping documents.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in public Notice No. 113-ITC (PN) 88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credit is "K-Deposits and Advances 8443-civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits[Loan Agreements]" Loans from the Government of Japan 1.256 Billion credit No-ID-P68 for the Rolling Stock Workshop Modernization Project (I).

VI (i) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, Nw Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

SECTION VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence
The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

VIII (ii) Notifying suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-68 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.—

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imposts).

Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of Dahomey

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagasy Republic

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tome and Principle
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terror, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Central

Cent.
Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessible, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central
West Indies (Br.) n.i.e.
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Baharsin
Isreal
Jordan
Lebanon
Qman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of Laos

1. Main Islands : Antigue, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates.

Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands(US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Island (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
The Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U.K.
U.S.A.

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date .

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub: Import of _____ from Japan under the
Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid from
198 —8).

Sir,

In connection with the import of _____ from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (Name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—Whether it is based on direct purchase or formal open International tendering in which case it should be

indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FBO|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer:—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc; of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

/To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan),

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid
Loan Agreement No. ID-P Issue
letter of credit for an import not exceeding Yen
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an import not exceeding Yen favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers Banker—This has reference to import licence No. dated.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)|88-91 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)|68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443. Civil Deposits—Deposit for purchases etc.

abroad under Purchases under Credit Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 2.850 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 33 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action at (ii) and (iii) is taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

(ix) The receipts of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE—IV
FORM OECF—LC I
IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT
(Applicable for goods)

Date :

To,

This letter of Credit has been issued pursuant to
Loan Agreement No. _____

Dated _____
between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of 7

(Say yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____)

(if any) from To _____

Partial shipments are _____ permitted. Transhipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____" irrevocable

credit No. _____ dated _____ and

Import Reference No.(s) _____ if any). This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance

with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Services)

To,

Date :
This Letter of Credit has
been issued pursuant to
Loan Agreement No. _____

(Name and address of
the Supplier)

dated
between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of 7 (say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____)

with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____".
This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer's supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes as integral part of our Letter of Credit No.-----

I. Initial Payments

Amount Yen-----
being ----- % of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount Yen-----
being % of the total contract price to be paid as follows:

Amount due Latest presentation

1st Instalment: Yen-----

2nd Instalment: Yen-----

Statement of Performance

Date:
Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. dated
issued by
for Yen ----- in favour of concerning
project under Loan
Agreement No. -----

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle ----- to receive the sum of Yen ----- (Yen ----- only)
from THE OVERSEAS ECONOMIC CORPORATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. ----- dated ----- between ----- and -----

(Borrower)
By -----
(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

Required documents: A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No.-----

I. Initial Payment

Amount -----
being ----- % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate payment (If any)

Amount Yen-----
being % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen-----
being ----- % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

